प्रसारण/ 25/06/2021

# खुले में गंदगी करने व कचरा पात्र नहीं रखने पर 10 व्यक्तियों पर जुर्माना

प्रसारण न्यूज़ • रतलाम

कलेक्टर एवं प्रशासक नगर पालिक निगम रतलाम कुमार पुरूषोत्तम के निर्देशानुसार नगर में ऐसे दुकानदार व नागरिक जो कि खुले में कचरा डालकर शहर को गंदा करते हैं उन पर लगाम लगाने हेतु स्पॉट फाईन दल द्वारा संबंधितों पर स्पॉट फाईन की कार्यवाही की जा रही है जिसके तहत 23 जून को 8 दुकानदारों पर जुर्माना किया गया।

निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार स्पॉट फाईन दल द्वारा दारा सिंह, कृष्णपाल सिंह, अनूप शर्मा, निहाल, फकरूद्दीन, यादवजी राम मंदिर, सिसोदिया जी, पुखराज जाट, हुसैन जी अलकापुरी, शिवपाल बाजना बस स्टैण्ड द्वारा गंदगी करने पर 100-100 रुपये का स्पॉट फाईन कर भविष्य में गंदगी ना करने की समझाईश दी।

## गंदगी करने वालो की सूचना स्पॉट फाईन दल को दें

नगर निगम द्वारा नागरिकों से भी अपील की जाती है कि शहर को गंदा करने वाले नागरिकों, दुकानदारों आदि की जानकारी स्पॉट फाईन दल के मनोज टांक मो.नं. 7000848456, पवन झांझोट मो.नं. 7000128812, आकाश शिन्दे मो.नं. 9424075393, 7724981736 मनोज झांझोट मो.नं. 6268449110, राकेश ललावत मो.नं. 7000128812 को देकर नगर को साफ-स्वच्छ बनाने में सहयोग प्रदान करें।

# गंदगी फैलाने पर सात लोगों से वसूला जुर्माना

रतलाम। खुले में गंदगी करने व कचरा पात्र नहीं रखने पर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार स्पाट फाइन दल द्वारा मंगलवार को विभिन्न क्षेत्रों में 26 दुकानदार व नागरिकों पर जुर्माना किया गया। राहुल, बाबुलाल, हुसैन भाई, बाबूलाल त्रिपोलिया गेट, अरुण पोरवाल, जितेश घांस बाजार, पुखराज चांदनी चौक द्वारा गंदगी करने पर 100-100 रुपये का स्पाट फाइन कर भविष्य में गंदगी नहीं करने की समझाइश दी गई।

## एक मवेशी को गोशाला भेजा

रतलाम। नगर निगम द्वारा सार्वजनिक स्थानों, सड़कों, चौराहों पर स्वच्छंद विचरण करने वाले मवेशियों को पकड़कर गोशालाओं में भेजा जा रहा है। इसके तहत अब तक 979 मवेशियों को पकड़कर जिले की गोशालाओं में भेजा जा चुका है। गुरुवार को कस्तूरबा नगर, डालू मोदी बाजार, सैलाना बस स्टैंड, पावर हाउस रोड आदि क्षेत्रों से छह मवेशी निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा पकड़े गए।

जिले में कोरोना टीकाकरण महाअभियान के अंतर्गत गुरुवार को जिले के सभी विकासखंड क्षेत्रों में निर्धारित लक्ष्य से अधिक टीके लगाए गए। सभी सेंटर पर 100 प्रतिशत से अधिक की लक्ष्य पूर्ति की गई। जिले में कुल 10590 लोगों को वैक्सीनेशन डोज लगाया, इनमें 18 से 44 वर्ष के 7462 और 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 3126 लोग शामिल हैं। जिले में 21 जून से 24 जून तक कुल तीन टीकाकरण दिवस में 68 हजार 15 लोगों का वैक्सीनेशन किया गया।

गुरुवार को बाजना विकासखंड क्षेत्र में कुल 1474 लोगों को टीके लगाए गए। इनमें 18 से 44 वर्ष के 1106 व्यक्ति तथा 45 वर्ष से अधिक आयु के 367 व्यक्ति शामिल हैं। बाजना विकासखंड में आज का लक्ष्य 1300 टीके लगाने का था इसके विरुद्ध 1474 टीके लगाकर 113. 38 प्रतिशत की पूर्ति की गई। सैलाना विकासखंड क्षेत्र में गुरुवार को कुल 1608 टीके लगाए गए, इनमें 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग के 1149 तथा 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 459 व्यक्ति शामिल हैं। सैलाना विकासखंड में गुरुवार को 1600 व्यक्तियों को टीके लगाने का लक्ष्य था, इसके विरुद्ध 1608 व्यक्तियों को टीके लगाकर 100 प्रतिशत से अधिक सफलता हासिल की गई। जावरा विकासखंड क्षेत्र में गुरुवार को 517 टीके लगाए गए, इनमें 18 से 44 वर्ष के 376 तथा 45 वर्ष से अधिक आयु के 141 व्यक्तियों को टीके लगाए गए।

जावरा विकासखंड में गुरुवार को 500 व्यक्तियों को टीके लगाने के लक्ष्य के विरुद्ध 517 को टीके लगाए गए। पिपलोदा विकासखंड क्षेत्र में 1095 लोगों को टीके लगाए। इनमें 18 से 44 वर्ष के 778 तथा 45 वर्ष से अधिक आयु के 316 लोग शामिल है। यहां 1000 लक्ष्य के विरुद्ध 1095 लोगों को टीक लगाकर 109.50 प्रतिशत सफलता हासिल की। रतलाम ग्रामीण क्षेत्र में गुरुवार को 4239 व्यक्तियों को टीके लगाए गए। 18 से 44 वर्ष के 2955 तथा 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 1284 व्यक्ति शामिल है। गुरुवार को क्षेत्र में 4010 व्यक्तियों के विरुद्ध 4239 व्यक्तियों को टीके लगाकर 105 प्रतिशत से अधिक सफलता हासिल की गई। रतलाम शहर में गुरुवार को 1657 लोगों को टीके लगाए गए।

18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के 1098 तथा 45 वर्ष से अधिक आयु के 559 व्यक्ति शामिल हैं। रतलाम शहर क्षेत्र में 1640 लोगों को टीके लगाने का लक्ष्य था, इसके विरुद्ध 1657 लोगों को टीके लगाकर 101 प्रतिशत से अधिक सफलता हासिल की गई।

## महाअभियान में अब तक रतलाम शहर में लगे सर्वाधिक टीके

जिले में कोरोना वैक्सीनेशन महाअभियान के तहत 21 जून से 24 जून तक तीन टीकाकरण दिवसों में कुल 68 हजार 15 लोगों को टीके लगाए जा चुके हैं। इनमें 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग के 52 हजार 934 तथा 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 15 हजार 69 लोग शामिल हैं। इस दौरान आलोट विकासखंड में 7321, बाजना विकासखंड में 4227, सैलाना विकासखंड में 5548, जावरा विकासखंड में 8250, पिपलोदा विकासखंड में 5602, ग्रामीण क्षेत्र में 14233 तथा रतलाम शहर में 22834 व्यक्तियों को वैक्सीनेशन डोज लगाए गए।

## जिले में कोविशील्ड के 2 लाख 87 हजार टीके लगाए गए

रतलाम जिले में अब तक कोवीशील्ड और कोवैक्सीन दोनों मिलाकर कुल 3 लाख 23 हजार 807 टीके लगाए गए हैं। इनमें कोवीशिल्ड की संख्या 2 लाख 87 हजार है जबकि 36 हजार 806 को कोवैक्सीन टीके लगाए गए हैं। कोवीशिल्ड के 2 लाख 55 हजार 432 प्रथम डोज तथा 31 हजार 559 सेकंड डोज लगाए गए हैं जबकि कोवैक्सीन के 27 हजार 222 प्रथम डोज एवं 9 हजार 584 सेकंड डोज लगाए गए है।

लिए निर्धारित किया गया था, लेकिन कई वरिष्ठजन दूसरे डोज के लिए परेशान होते रहे। दोपहर एक बजे ही वैक्सीन खत्म हो गई और कई बुजुर्गों को घण्टों इंतजार करने के बाद बिना टीका लगवाए लौटना पड़ा।

गुरुवार को वैक्सीन के दूसरे डोज के लिए पूरे शहर में केवल दो केन्द्र बनाए गए थे। पुराने कलेक्टोरेट पर कोवैक्सीन का दूसरा डोज दिया जा रहा था, जबकि कोविशील्ड वैक्सीन के लिए रेलवे ऑफिसर्स क्लब को टीकाकरण केन्द्र बनाया गया था। रेलवे ऑफिसर्स क्लब पर वैक्सीन की दूसरी डोज लेने के लिए सैकड़ों वरिष्ठजन सुबह साढ़े नौ बजे से एकत्रित हुए थे। टीकाकरण केन्द्र पर आने वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए बैठने तक की पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई थी। टीका लगाने वालों की भारी संख्या के चलते टीकाकरण केन्द्र के बाहर लम्बी कतारें लगी हुई थी। इन कतारों में टीका लगवाने के इच्छुक वरिष्ठजन घण्टों तक धूप में खड़े रहने को मजबूर थे। इनमें से कई बुजुर्गों को तो वहां से सिर्फ इसलिए लौट जाना पड़ा, क्योंकि वहां बैठने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। सुबह साढ़े नौ पर प्रारंभ हुए इस टीकाकरण केन्द्र पर मात्र साढ़े तीन घण्टे में दोपहर एक बजे ही टीके समाप्त हो गए। केन्द्र पर तैनात कर्मचारियों ने टीके समाप्त होने पर केन्द्र के दरवाजे बन्द कर दिए और बड़ी संख्या में बुजुर्गों को घण्टों के इंतजार के बावजूद बिना टीका लगवाए लौट जाना पड़ा।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोपहर करीब एक बजे इस टीकाकरण केन्द्र पर मात्र साठ डोज बचे थे। ऐसे में कतार में लगे 60 व्यक्तियों को भीतर लेकर टीकाकरण केन्द्र के दरवाजे बन्द कर दिए गए और बचे हुए लोगों को वहां से जाने के लिए कह दिया गया।

जिला टीकाकरण अधिकारी डा. वर्षा कुरील ने बताया कि जितनी वैक्सीन उपलब्ध हो रही है, उतनी लगाई जा रही है। डा. कुरील के मुताबिक दूसरी डोज के लिए साढ़े तीन सौ डोज प्राप्त हुए थे। सारे डोज लगाने के बाद केन्द्र को बन्द करना पड़ा।

दै. भास्कर 25/06/21

# भास्कर के लिए खास आईआईटी की स्टडी

# लापरवाही की तो मप्र में सितंबर में तीसरी लहर का पीक,13 हजार से ज्यादा केस आएंगे

## लेकिन... 30-40% वैक्सीनेशन पूरा हो गया तो कम हो जाएगा असर, मप्र में अब तक 28% से ज्यादा को लग चुके हैं टीके

भास्कर न्यूज | भोपाल

विशेषज्ञ जुलाई में ही कोरोना की तीसरी लहर के संकेत दे रहे हैं। आईआईटी कानपुर में प्रोफेसर महेंद्र वर्मा और असिस्टेंट प्रोफेसर राजेश रंजन ने दूसरी लहर के ट्रेंड और केलकुलेशन के आधार पर कहा है कि यदि 15 जुलाई से पूरी तरह अनलॉक हो जाता है और वायरस प्रकृति बदलता है तो दो माह बाद ही तीसरी लहर का पीक आ जाएगा। तब देश में कम से कम डेढ़ लाख और अधिकतम 5 लाख तक केस रोजाना हो सकते हैं। यह प्रतिदिन के पॉजिटिव केसों का 'पीक' होगा और जनवरी 2022 में संक्रमण की दर जून 21 की स्थिति में आ जाएगी। इसी आधार पर मप्र में भी केसों की संख्या जो दूसरी लहर में 13 हजार रोजाना तक पहुंची थी, तीसरी लहर में इस आंकड़े से ज्यादा हो जाएगी।

कोरोना के ट्रेंड को लेकर कानपुर आईआईटी ने दो मॉडल देश को दिए। इसमें वर्मा और रंजन का मॉडल (एसआईआर) तीसरी लहर के संकेत दे रहा है। दूसरा मॉडल सूत्र है, जिसके आधार पर आईआईटी कानपुर के प्रो. मनिंदर अग्रवाल पूर्वानुमान देते हैं। अग्रवाल इस समय वैक्सीनेशन के आंकड़ों का अध्ययन कर रहे हैं। रंजन का कहना है कि तीसरी लहर का अनुमान दूसरी लहर के ट्रेंड और एक व्यक्ति से दूसरों को होने वाले संक्रमण के आधार पर लगाया गया है। कानपुर आईआईटी के ही एक अन्य विशेषज्ञ व प्रो. अग्रवाल ने कहा कि तीसरी लहर से पहले वैक्सीनेशन के कवरेज और आंकड़ों का भी अध्ययन जरूरी है।

**• प्रदेश में अब तक 28% से ज्यादा लोग वैक्सीनेट हो चुके हैं। 1 से 3 जुलाई तक एक और महाअभियान है, जिसके बाद 35 से 40 परसेंट लोगों के वैक्सीनेट होने की संभावना है।**

### तीन कारण : कैसे बढ़ेंगे संक्रमण के केस

**पहला**

सामान्य होने की स्थिति में तीसरी लहर दूसरी से तो कमजोर हो सकती है, लेकिन देश में रोजाना केसों का 'पीक' अक्टूबर में 3 से 3.25 लाख केसों तक का हो सकता है। मप्र में यह 8 से 10 हजार प्रतिदिन होगा।

**दूसरा**

सामान्य स्थिति हो, लेकिन वायरस अपनी प्रकृति बदलता है यानी जिस तरह डेल्टा प्लस वैरिएंट की चर्चा हो रही है जो खतरनाक है तो सितंबर से पहले ही रोजाना केसों की संख्या 5 लाख तक के आंकड़े को छू लेगी। मप्र में यह प्रतिदिन 15 हजार तक पहुंच जाएगा।

**तीसरा**

कोरोना के सारे प्रोटोकॉल का पालन होता है तो सामान्य स्थिति होने के बाद भी 'पीक' अक्टूबर-नवंबर तक आएगा। तब देश में केस डेढ़ से दो लाख तक होंगे। मप्र में यह 5-6 हजार तक हो सकते हैं।

### राज्य को सीरो सर्वे कराना चाहिए, ताकि लोगों में हर्ड इम्युनिटी का पता चल सके

'भास्कर' से बातचीत में वर्मा और रंजन ने कहा कि अभी 4% लोग वैक्सीनेटेड हैं। दो माह में यह आंकड़ा 30 से 40% हो जाता है तो तीसरी लहर का असर काफी कम हो जाएगा। इसके अलावा कई लोगों को कोरोना हो चुका है। राज्यों को अब सीरो सर्वे कराना चाहिए, ताकि हर्ड इम्युनिटी का पता चल जाए। कोविड प्रोटोकॉल का पालन, लोगों की सतर्कता व छोटी-छोटी जगहों पर सीरो सर्वे होता है तो पूर्वानुमान के तहत तीसरा कारण बनता है कि अक्टूबर के भी आखिर में तीसरी लहर आएगी जो दूसरी से आधी से भी कम प्रभावी होगी।

प्रो. महेन्द्र वर्मा | प्रो. राजेश रंजन

# अधिकाधिक वैक्सीनेशन के लिए जनजागरुकता का कार्य किया

प्रातारण न्यूज़ * रतलाम

## विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई

कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के निर्देश परसैलाना में वेक्सीनेशन के प्रति जनजागरुकता उत्पन्न करने तथा अधिकाधिक वेक्सीनेशन के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। एसडीएम सुश्री कामनी ठाकुर द्वारा वेक्सीन सेन्टर शा.बालक उ.मा. वि.सैलाना पर तिरंदाजी प्रतियोगिता कराई गई। प्रतियोगिता में 70 खिलाड़ियों महिला एवं पुरुष ने भाग लिया। प्रतियोगिता के बालिका वर्ग में प्रथम कु. नेहा चारेल, द्वितीय कु.प्रज्ञा पांचाल, तृतीय कु. कुसुम कसेरा रही। बालक वर्ग में प्रथम शिवम चारेल, द्वितीय अनुकूल सोनी, तृतीय श्यामसिंह धाकड़ रहे। प्रतियोगिता को सम्पन्न करने में सुरेश माथुर, डॉक्टर डी.आर. चौधरी, केशरसिंह मुनिया, महंत प्रेमदास बैरागी, डाक्टर आशीष बैरागी, एम.एस.राठोर, लखनलाल शास्त्री का विशेष योगदान रहा। इस दौरान सांसद गुमानसिंह डामोर, राजेंद्रसिंह लुनेरा, पूर्व विधायक श्रीमती संगीता चारेल, डाक्टर विजय चारेल उपस्थित थे।

प्रसारण 25/06/2021

गुरुवार को जिले के सभी विकासखंड में लक्ष्य से अधिक वैक्सीनेशन किया गया

# महाअभियान में अब तक 68015 लोगों का वैक्सीनेशन किया गया

प्रसारण न्यूज * रतलाम

## बाजना विकासखंड में सर्वाधिक टीकाकरण

## कोरोना वैक्सीन का दूसरा डोज लगवाने के लिए परेशान होते रहे वरिष्ठजन, मात्र चार घण्टे चला टीकाकरण

प्रसारण न्यूज * रतलाम

कोरोना वैक्सीनेशन के लिए चलाए जा रहे महाअभियान की पोल

शिवेंद्र दुबे | रतलाम

# त्रिपोलिया गेट वाला नाला डायवर्ट करेंगे, बोहरा बाखल क्षेत्र के नाले का पानी तालाब में साफ करके पहुंचाया जाएगा

अमृत सागर तालाब की दशा बदलने के लिए 13 साल पहले बनाए प्रोजेक्ट में फिर बदलाव किया है। यह काम अगले 18 महीनों में पूरा हो जाएगा।

प्रोजेक्ट से तालाब के पानी के नियमित मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी नगर निगम के पास आ गई है। राज्य वेटलैंड प्राधिकरण के पर्यावरण नियोजन एवं समन्वयक संगठन और नगर निगम के एमओयू होने के बाद टेंडर निकलना शुरू हो गए हैं। दिसंबर 2022 तक काम हो जाएगा।

तालाब के आसपास की श्रीनगर, अमृत सागर कॉलोनी, दीनदयाल नगर, टाटा नगर, रिद्धि-सिद्धि, बोहरा बाखल, त्रिपोलिया गेट, आदर्श कल्याण पुरु नगर, मोती नगर, राम नगर सहित 11 कॉलोनियों के 24 हजार से अधिक रहवासियों को पानी की दुर्गंध से मुक्ति मिलेगी। 350 साल पुराने तालाब की हालत सुधारने 2019 में विधायक चेतन्य काश्यप ने केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर से बात कर प्रोजेक्ट स्वीकृत करवाया था।

**3.88 करोड़ :** जलकुंभी का खात्मा
**3.47 करोड़ :** तालाब व उसके आसपास की गंदगी निपटान
**1 करोड़ :** पाल पिचिंग, चौड़ीकरण करके पॉथ-वे का निर्माण
**2.50 करोड़ :** बोहरा बाखल नाले पर वेटलैंड वेस्टवेयर ट्रीटमेंट
**50 लाख :** त्रिपोलिया गेट वाले नाले का डायवर्शन
**1.85 करोड़ :** जालापूर्ति व स्वच्छता
**50 लाख :** सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट
**1.97 करोड़ :** चाउंड्रीवॉल
**2.87 करोड़ :** तीन टायलेट ब्लॉक, इंट्री गेट, पार्किंग एरिया
**20 लाख (पहले 40 लाख) :** वॉच टॉवर, ट्रीरिज्म ऑफिस
**40 लाख (इसे हटा दिया) :** तालाब के पानी की नियमित मॉनिटरिंग
**2.25 करोड़ (पहले 3.48 करोड़) :** जीएसटी

## टेंडर प्रक्रिया शुरू हुई

*अमृत सागर तालाब के संरक्षण, संवर्धन और प्रबंधन से आसपास की कॉलोनियों के हजारों लोगों का फायदा होगा। 21 करोड़ खर्च आएगा। टेंडर का प्रोसेस शुरू हो चुका है।*
**चेतन्य काश्यप,** विधायक

## बढ़ेगा तालाब का महत्व

*फैली जलकुंभी विंड हार्वेस्टर मशीन से हटाई जाएगी। तल में जमी गाद ड्रेजर मशीन निकालेंगे। बोहरा बाखल के नाले पर पानी साफ करने कंस्ट्रक्टेड वेटलैंड बनेगा।*
**कुमार पुरुषोत्तम,** कलेक्टर

## प्लान : विंड हार्वेस्टर हटाएगा जलकुंभी, गाद ड्रेजर निकालेगी

तालाब की जलकुंभी का खात्मा विंड हार्वेस्टर से होगा। नगर निगम ने 2.70 करोड़ का टेंडर निकाला है। जिम्मेदारी लेने वाली कंपनी को 10 साल तक मशीन चलाते हुए रखरखाव करना पड़ेगा। वह रतलाम ही नहीं जरूरत होने पर प्रदेश में कहीं भी मशीन चलाना होगी। तालाब की गाद निकालने ड्रेजर मशीन (समुद्र से रेत निकालने वाली मशीन की तरह) की खरीदी प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है।

## प्रक्रिया : काम की रफ्तार के आधार पर मिलेगा रुपया

अमृत सागर तालाब संरक्षण, संवर्धन और प्रबंधन योजना का खर्च केंद्र, राज्य और नगर निगम मिलकर उठाएंगे। 21 करोड़ में 60 % केंद्र, 30 % राज्य और 10 % नगर निगम को उठाना है। केंद्र ने 6.85 करोड़ रुपए का अनुदान राज्य को दे दिया है। पहली किस्त के 4 करोड़ का चेक 4 फरवरी को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सौंप चुके हैं। काम शुरू होने पर ही आगे का रुपया मिलेगा।

नईदुनिया 25/06/21

## 24 दिनों में 169 नए कोरोना पाजिटिव और छह मौत

# दूसरे दिन एक भी नया पाजिटिव नहीं

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। जिले में बेकाबू कोरोना अब काफी हद तक काबू में आ गया है। लगातार दूसरे दिन गुरुवार को जिले में एक भी नया पाजिटिव केस सामने नहीं आया। जून माह में तीन नए पाजिटिव केस की स्थिति शून्य रही है। जून माह की शुरुआत से लगातार नए संक्रमितों की संख्या में कमी आ रही है, वहीं स्वस्थ होने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। अस्पतालों में 90 फीसद से अधिक बेड खाली हो गए हैं। अप्रैल-मई की तुलना में नए संक्रमितों और मौत के आंकड़े में काफी कमी आ गई है। अनलाक में जहां बाजारों में चहल-पहल बढ़ रही है, वहीं धीरे-धीरे आर्थिक गतिविधियां भी रफ्तार पकड़ रही है। जिलेवासी राहत महसूस कर रहे हैं।

व्यवस्थाओं में बदलाव के बाद से लगातार कोरोना के नए केस में कमी आ रही है, वहीं बचाव के लिए टीकाकरण भी ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है।

### कोरोना पर काबू

- 784 मरीजों को स्वस्थ होने पर किया डिस्चार्ज
- राहत महसूस कर रहे जिलेवासी, बाजार में बढ़ने लगी चहल-पहल

### जिले में अब तक की कोरोना की स्थिति

| | |
|---|---|
| पाजिटिव | 17470 |
| स्वस्थ हुए | 17085 |
| मौत | 311 |
| एक्टिव मरीज | 124 |

अनलाक में भी लापरवाही बरतने वालों पर सख्ती की जा रही है। जून के 24वें दिन गुरुवार को केवल एक भी नया पाजिटिव केस सामने आए। एक भी मौत नहीं हुई। आठ मरीजों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया गया। जून के 24 दिनों में कुल 169 नए पाजिटिव केस सामने आए हैं, वहीं 784 मरीजों को स्वस्थ होने पर छुट्टी दी गई है। मौत छह हुई है।

### मेडिकल कालेज में 18 पेशेंट उपचाररत

शासकीय मेडिकल कालेज स्थित हास्पिटल में गुरुवार की स्थिति में केवल 18 पेशेंट भर्ती हैं। इनमें से चार कोरोना पाजिटिव तथा शेष अन्य समस्याओं वाले हैं। डीन डा. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि मेडिकल कालेज से चार मरीज को डिस्चार्ज किया गया तथा दो नये मरीज भर्ती हुए। 550 बेड के अस्पताल में आइसीयू के 56 बेड में से 14 पर पेशेंट भर्ती हैं। एचडीयू के 172 बेड पूरी तरह रिक्त हैं। आक्सीजन बेड 180 हैं। इनमें से चार पर पेशेंट भर्ती हैं। नान आक्सीजन बेड 142 पूरी तरह रिक्त हैं। हास्पिटल में 532 बेड रिक्त हैं। रेमडेसिविर की स्थिति के अनुसार टोटल रिसीव 7580, डिस्ट्रीब्यूटेड 1557, कंज्यूम्ड 5967, करंट स्टाक 56 है।

रोना महामारी की पहली लहर की तुलना में दूसरी में ढाई गुना ज्यादा बच्चे संक्रमित हुए, आशंकित तीसरी लहर से कैसे निपटेंगे

# सीजन से लेकर दवा उपलब्धता तक बड़ी चुनौती

## इसलिए चिंता

### दूसरी लहर में 10% बच्चे संक्रमित

**कोरोना** की पहली लहर में देश में औसतन चार फीसदी बच्चे तो दूसरी लहर में यह आंकड़ा 10% पर पहुंच गया। फरवरी 2021 में सीरो रिपोर्ट के मुताबिक 25.3% बच्चों में वायरस के एंटीबॉडी मौजूद थे। वहीं छत्तीसगढ़ में कुल संक्रमितों में पहली लहर में 7.8% तो दूसरी में 8.3% बच्चे संक्रमित हुए थे। दूसरी ओर डेल्टा प्लस वैरिएंट को लेकर अभी कुछ स्पष्ट नहीं है, पर यह तय है कि इसकी संक्रामकता दर पहले के वैरिएंट से कहीं ज्यादा है।

### ये चुनौतियां भी

- **बिना वैक्सीन** के माता-पिता का बच्चों के साथ रहना जोखिम भरा।
- **अस्पताल** में संक्रमित बच्चे का बिना माता-पिता के रहना मुश्किल। सोशल डिस्टेंसिंग भी कठिन।
- **बच्चों में** ऑक्सीजन मास्क लगाए रखना बड़ी चुनौती होगा।
- **शिशु** के लिए मां को ब्रेस्ट फीड कराना भी बड़ी चुनौती होगी।
- **अभी बच्चों** के लिए वैक्सीन का ट्रायल चल रहा है

## मध्यप्रदेश दवाइयों के इंतजाम में जुटे

**ऑक्सीजन प्लांट**

**112 प्लांट** स्वीकृत, 15 अगस्त तक शुरू करने का लक्ष्य।

**12 प्लांट** काम करना शुरू।

**4500 ऑक्सीजन** कंसेंट्रेटर उपलब्ध कराए।

**595 टन** क्षमता के साथ सरकारी अस्पतालों में 323 लिक्विड ऑक्सीजन भंडारण क्षमता।

**कुछ शहरों** में पाइपलाइन के जरिए आपूर्ति की तैयारी, ढुलाई के लिए टैंकर की व्यवस्था।

**अस्पतालों में तैयारी**

- **सभी जिला**, सिविल अस्पतालों में पीडियाट्रिक वार्ड तैयार किए जा रहे।
- **निजी अस्पतालों** को बच्चों के उपचार के लिए निर्देश।
- **60 हजार** बेड की राज्य में व्यवस्था।

**दवा-उपकरण**

- **61 करोड़** स्वीकृत (उपकरणों आदि की आपूर्ति के लिए जारी)
- **दवाइयों** को लेकर आकलन किया जा रहा, जरूरी दवाओं के लिए मांग की जाएगी।
- मेडिकल कॉलेज व जिला अस्पतालों को अलर्ट किया।

**जरूर जानें**

**5 साल** तक के बच्चों को मास्क की जरूरत नहीं।
**6 से 11** साल के बच्चे बड़ों की निगरानी में मास्क पहनें।
**12 साल** से अधिक उम्र के बच्चे मास्क पहनें।

## छत्तीसगढ़ ऑक्सीजन और एनआइसीयू का संकट

**पहली** लहर में राज्य के कुल संक्रमित मरीजों में 7.8%, दूसरी में 8.3% बच्चे संक्रमित हुए। तीसरी लहर के लिए एम्स व अंबेडकर अस्पताल को हायर सेंटर बनाया जा रहा है। 10 जिलों में जच्चा-बच्चा अस्पताल प्रस्तावित हैं।

**कितने ऑक्सीजन प्लांट**

**12 अस्पतालों** में ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट।

**बच्चों के लिए आइसीयू:** जहां शिशु रोग विशेषज्ञ, वहां पीडियाट्रिक आइसीयू बनाने के निर्देश जारी।

**ऐसे लड़ेंगे तीसरी लहर से**

**2-2** ऑक्सीजनयुक्त बेड सीएचसी में
**4** आइसीयू बेड सिविल अस्पताल में।
**20-20** ऑक्सीजनयुक्त बेड व वेंटिलेटर जिला अस्पताल में।

**टीकाकरण**

**1.50 लाख** टीके प्रतिदिन औसतन लग रहे
**65 लाख** लोगों को लगी पहली डोज।
**1.93 करोड़** टीकाकरण का लक्ष्य 18 से अधिक आयुवर्ग के लिए

**दवा व उपकरण**

- **बच्चों को** ऑक्सीजन देने वाले सिस्टम, मॉनिटर समेत अन्य उपकरण अलग होते हैं। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन को मांग भेजी जा रही है।
- दवा खरीदी के लिए भी टेंडर जारी किए गए हैं।

## राजस्थान ऑक्सीजन के सहारे बड़ी जंग की तैयारी

**350** सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को कोविड केयर सेंटर बनाने की तैयारी

**ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट**

**सामुदायिक** स्वास्थ्य केंद्र, मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पतालों में बनाया जा रहा ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट

**1000 टन** ऑक्सीजन उत्पादन का राज्य सरकार दावा कर रही अगले कुछ माह में

**350 टन** उत्पादन क्षमता थी दूसरी लहर में

**दावा:** दूसरी लहर के पीक (रोज 18 हजार संक्रमित) से करीब दोगुने मरीज मिलने तक ऑक्सीजन की कमी नहीं होगी

**नियुक्ति:** बेहतर चिकित्सा सेवाओं के लिए कोविड हैल्थ कंसल्टेशन सेंटर बना रहे हैं। घर-घर सर्वे व दवा वितरण के लिए हैल्थ सहायक।

**1000 एमबीबीएस** योग्यता धारी कोविड हैल्थ कंसल्टेंट व कोविड हैल्थ सहायक रखे जा रहे

**शहर के** वार्ड में 2, ग्राम पंचायत में 1, पीएचसी में 2 और सीएचसी में 3-3 कोविड हैल्थ सहायक की नियुक्ति।

**31 जुलाई** तक जिला स्तर पर नियुक्तियां पूरी करने के निर्देश।

**7353 पदों** पर सीएचओ का चयन हो चुका, फील्ड में लगाया।

**रिक्त जीएनएम,** एएनएम, पैरामेडिकल के पदों को यूटीबी पर भरने की कलक्टरों को जिम्मेदारी

**टाइम लाइन:** तैयारियों के लिए चिकित्सा विभाग ने टाइम लाइन तय कर दी है। राज्य स्टेटिक कोविड कमेटी को इसकी पालना का जिम्मा।

**ऐसे लड़ेंगे तीसरी लहर से**

- **सभी** शिशु रोग अस्पतालों के नीकू, पीकू, एसएनसीयू में जरूरी उपकरण व व्यवस्थाएं।
- **जयपुर** के जेकेलोन अस्पताल में नया आइसीयू व जिला अस्पतालों में आइसीयू बेड बढ़ाने का काम तेज।

स्वतंत्र लोकतंत्र 25/8/21

# राजीव गांधी सिविक सेन्टर के साथ त्रिपोलिया गेट पर चल रहा है दीनदयाल रसोई केन्द्र

रतलाम । नगर निगम द्वारा राजीव गांधी सिविक सेन्टर के साथ त्रिपोलिया गेट पर संचालित दीनदयाल रसोई योजना केन्द्र भी 18 जून शुक्रवार से पुनः प्रारंभ किया गया है जिसमें हितग्राही 10 रूपये में भोजन कर सकते है। ज्ञातव्य है कि नगर निगम द्वारा राजीव गांधी सिविक सेन्टर, त्रिपोलिया गेट व डॉ0 अम्बेडकर मांगलिक भवन पोलोग्राउण्ड पर दीनदयाल रसोई केन्द्र संचालित किये जा रहे थे किन्तु कोरोना संक्रमण दर बढ़ने पर त्रिपोलिया गेट व डॉ0 अम्बेडकर मांगलिक भवन पोलोग्राउण्ड के रसोई केन्द्रों को बंद कर दिया गया था सिर्फराजीव गांधी सिविक सेन्टर के रसोई केन्द्र को चालू रखा गया था। कोरोना संक्रमण कम होने पर त्रिपोलिया गेट के रसोई केन्द्र को नगर निगम द्वारा प्रारंभ कर दिया गया है। नगर निगम द्वारा जरूरतमंद व्यक्तियों से अपील की जाती है कि वे निर्धारित समय प्रातः 10 से दोपहर 3 बजे के मध्य त्रिपोलिया गेट दीनदयाल रसोई केन्द्र पर उपस्थित होकर निर्धारित दर पर भोजन करें।

स्वतंत्र

पत्रिका 25/06/21

लोगों का वैक्सीनेशन

# ले में गुरुवार को सभी विकासखंड में लक्ष्य से अधिक किया वैक्सीनेशन

1600 से अधिक लोगों का टीकाकरण किया गया। यहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ लगी नजर आई। दोपहर तक ही यहां टीकाकरण का काम पूरा हो चुका था।

सैलाना भी रहा 100 फीसदी

सैलाना में गुरुवार को 1600 व्यक्तियों को टीके लगाने का लक्ष्य था, इसके विरुद्ध 1608 व्यक्तियों को टीके लगाकर 100 प्रतिशत से अधिक सफलता हासिल की गई। वही क्षेत्र में गुरुवार को 517 टीके लगाए गए, इनमें 18 से 44 वर्ष के 376 तथा 45 वर्ष से अधिक आयु के 141 व्यक्तियों को टीके लगाए गए। जावरा विकासखंड में गुरुवार को 500 व्यक्तियों को टीके लगाने के लक्ष्य के विरुद्ध 517 को टीके लगाए गए। पिपलोदा विकासखंड क्षेत्र में 1095 लोगों को टीके लगाए। इनमें 18 से 44 वर्ष के 778 तथा 45 वर्ष से अधिक आयु के 316 लोग शामिल हैं। यहां 1000 लक्ष्य के विरुद्ध 1095 लोगों को टीक लगाकर 109.50 प्रतिशत सफलता हासिल की।

रतलाम ग्रामीण क्षेत्र में गुरुवार को 4239 व्यक्तियों को टीके लगाए गए। 18 से 44 वर्ष के 2955 तथा 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 1284 व्यक्ति शामिल हैं। क्षेत्र में 4010 व्यक्तियों के विरुद्ध 4239 व्यक्तियों को टीके लगाकर 105 प्रतिशत से अधिक सफलता हासिल की गई। रतलाम शहर में गुरुवार को 1657 लोगों को टीके लगाए गए। 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के 1098 तथा 45 वर्ष से अधिक आयु के 559 व्यक्ति शामिल हैं। रतलाम शहर क्षेत्र में 1640 लोगों को टीके लगाने का लक्ष्य था, इसके विरुद्ध 1657 लोगों को टीके लगाकर 101 प्रतिशत से अधिक सफलता हासिल की गई।

## टीकाकरण में शहर अव्वल

जिले में कोरोना वैक्सीनेशन महाअभियान के तहत 21 से 24 जून तक तीन टीकाकरण दिवसों में कुल 68015 लोगों को टीके लगाए जा चुके हैं। इनमें 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग के 52934 तथा 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 1569 लोग शामिल हैं। इस दौरान आलोट विकासखंड में 7321, बाजना विकासखंड में 4227, सैलाना विकासखंड में 5548, जावरा विकासखंड में 8250, पिपलोदा विकासखंड में 5602, ग्रामीण क्षेत्र में 14233 तथा रतलाम शहर में 22834 व्यक्तियों को वैक्सीनेशन डोज लगाए गए।

## कोविशील्ड के 2 लाख 87 हजार टीके

रतलाम जिले में अब तक कोवीशील्ड और कोवैक्सीन दोनों मिलाकर कुल 3 लाख 23 हजार 807 टीके लगाए गए हैं। इनमें कोवीशिल्ड की संख्या 2 लाख 87 हजार है जबकि 36 हजार 806 को कोवैक्सीन टीके लगाए गए हैं। कोवीशिल्ड के 2 लाख 55 हजार 432 प्रथम डोज तथा 31 हजार 559 सेकंड डोज लगाए गए हैं जबकि कोवैक्सीन के 27 हजार 222 प्रथम डोज एवं 9 हजार 584 सेकंड डोज लगाए गए हैं।

पत्रिका 25/06/21

**तबादला नीति जारी :** तीन साल से एक पद पर जमे अफसर अब हटाए जा सकेंगे

# पहले आदिवासी इलाकों के खाली पद भरने होंगे, जिले में प्रभारी मंत्री को पावर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. प्रदेश में सरकारी अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए नई तबादला नीति जारी कर दी गई है। एक से 31 जुलाई तक तबादलों से प्रतिबंध हटाया जाएगा। इसके तहत जिले में तबादलों के अधिकार प्रभारी मंत्री को दिए गए हैं। प्रभारी मंत्री के अनुमोदन से ही कलेक्टर तबादले करेंगे। वहीं विभाग स्तर पर विभागीय मंत्री को तबादले के अधिकार दिए हैं। अभी मंत्रियों के प्रभार वाले जिले घोषित नहीं किए गए हैं, लेकिन एक जुलाई से पहले इसकी घोषणा हो जाएगी।

नई तबादला नीति में दो हजार से ज्यादा कर्मचारी विभाग में होने पर पांच प्रतिशत तक तबादलों का प्रावधान किया गया

## यह भी अहम

- कोई विभाग चाहेगा तो अलग नीति बना सकेगा।
- स्कूल शिक्षा विभाग की इस बार भी अलग नीति रहेगी।
- इस नीति के अलावा कोई तबादला करने सीएम समन्वय से मंजूरी जरूरी।

## इस तरह होंगे तबादले

1- राज्य व जिला संवर्ग के तहत तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों का जिले के भीतर तबादला कलेक्टर के माध्यम से प्रभारी मंत्री के अनुमोदन से होगा।

2 राज्य संवर्ग के विभागाध्यक्ष व प्रथम श्रेणी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भले ही किसी भी दूसरे

# तीसरे दिन 10590 को लगा टीका, बाजना में सर्वाधिक 1474 को, रतलाम अब भी है आगे

## टीकाकरण महाअभियान : तीन दिन में जिले में 68015 लोगों का वैक्सीनेशन

बरबड़ विधायक सभागृह में वैक्सीन लगवाने के लिए लगी लोगों की कतार।

भास्कर संवाददाता | रतलाम

टीकाकरण महाअभियान के तीसरे दिन 10590 को टीका लगाया। कलेक्टर की कार्रवाई के बाद बाजना विकासखंड में सर्वाधिक 1474 का वैक्सीनेशन हुआ। इस तरह अभियान में अब तक 68015 को टीका लग चुका है। इसमें 18 से 44 आयु के लोगों को 52934 और 45 साल से उम्र के 15069 लोगों का वैक्सीनेशन हुआ है। सबसे ज्यादा 22834 टीके रतलाम शहर में लगे हैं। बाजना अब भी सबसे पीछे हैं। ब्लॉक अब सिर्फ 4227 टीके ही लग पाए हैं। गुरुवार को सभी सेंटर पर 100 प्रतिशत टीकाकरण हुआ। इनमें 18 से 44 वर्ष के 7462 और 45 वर्ष से अधिक आयु के 3126 लोगों ने टीका लगवाया। 21 जून से प्रारंभ हुआ महाअभियान 30 जून तक चलेगा।

### दोपहर में ही वैक्सीन खत्म

टीकाकरण अभियान में लोगों की सहभागिता बढ़ती जा रही है। गुरुवार दोपहर होने तक शहर के दोनों ही सेंटर बरबड़ स्थित विधायक सभागृह और डीआरएम ऑफिस (दूसरा डोज) में सुबह से ही लंबी कतार लग गई थी। दोपहर तक वैक्सीन खत्म हो गई, जिस कारण कई लोगों को वापस लौटना पड़ा।

# मध्यप्रदेश में कोरोना के विरूद्ध जंग में हर नागरिक बना योद्धा : मुख्यमंत्री

## जन-भागीदारी से मध्यप्रदेश ने बनाया राष्ट्रीय रिकार्ड

प्रसारण न्यूज • भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कोरोना के विरूद्ध जंग में प्रदेश के हर नागरिक ने जागरूक होकर योद्धा की भूमिका निभाई है। प्रदेश की जनता के सहयोग और जन-भागीदारी से न केवल हम कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के प्रकोप को न्यूनतम पर ला सके बल्कि कोरोना से सुरक्षा के लिये चलाये गये वैक्सीनेशन महाअभियान में हमने वर्ल्ड रिकार्ड बना कर राष्ट्रीय स्तर पर जागरूक प्रदेश के रूप में पहचान बनाई है। मध्यप्रदेश को मिली यह उपलब्धि प्रदेश के हर नागरिक के लिये गौरव का विषय है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज पूरे देश में मध्यप्रदेश का जन-भागीदारी मॉडल कौतूहल का विषय बना हुआ है। लोगों को यह आश्चर्य हो रहा है कि आखिर मध्यप्रदेश में ऐसा क्या हुआ, जिसने समय रहते कोरोना नियंत्रण पर काबू पा लिया और वैक्सीनेशन के महाअभियान में सर्वाधिक उपलब्धि हासिल की। इसका श्रेय मेरे प्रदेश की जनता को जाता है, जिन्होंने एकजुटता का परिचय देकर अपनी जिम्मेदारी को समझा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि धन्य है प्रदेश का हर नागरिक जिसने सरकार के साथ मिलकर मानवीय कार्य में सक्रिय भूमिका निभाई।

**कोरोना संक्रमण से सुरक्षा की ढाल बनी वैक्सीन :** मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना संक्रमण से बचाव एवं उपचार के लिये प्रदेश में युद्ध स्तर पर कार्य किये गये। स्वास्थ्य संस्थाओं में उपचार की सुविधाओं के विस्तार के साथ कोविड केयर सेंटर्स, आवश्यक दवाओं, इंजेक्शन और ऑक्सीजन की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इन व्यवस्थाओं के चलते हमने समय रहते कोरोना संक्रमण को काफी हद तक कंट्रोल भी कर लिया। इसी के साथ भविष्य में कोरोना संक्रमण से लोग प्रभावित न हो, इसके लिये वैक्सीनेशन ड्राइव चलाई गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पिछली 21 जून को टीकाकरण महाअभियान चलाने के लिये पूरे प्रदेश में सकारात्मक वातावरण तैयार किया गया। इसमें जन-भागीदारी भी सुनिश्चित की गई। सभी के प्रयासों का यह फल रहा कि मध्यप्रदेश टीकाकरण के मामले में पहले और दूसरे दिन कोरोना वैक्सीन लगाने में पूरे देश में अव्वल रहा।

**जारी रहेगी रफ्तार :** टीकाकरण महाअभियान में मिली सफलता के लिये मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इसे जन-भागीदारी का अनूठा उदाहरण बताया है। जन-भागीदारी से ही प्रदेश में मात्र एक दिन में करीब 17 लाख लोगों को कोरोना से सुरक्षा कवच दिया जा सका। महाअभियान के दूसरे दिन भी प्रदेश में 11 लाख से अधिक लोगों को वैक्सीन लगाकर मध्यप्रदेश पूरे प्रदेश में अग्रणी रहा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वैक्सीनेशन का कार्य लगातार जारी रहेगा और इसकी रफ्तार भी बढ़ाई जाएगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिये जा रहे सहयोग से प्रदेश में वैक्सीन की पर्याप्त उपलब्धता है और आगे भी बनी रहेगी।

**पुख्ता इंतजामों और जन-भागीदारी से रोकेंगे तीसरी लहर को :** मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जिस रणनीति से प्रदेश में कोरोना की दूसरी लहर को नियंत्रित किया गया, उसी को और बेहतर करते हुए राज्य सरकार कोरोना की संभावित तीसरी लहर का सामना करने के लिये तैयारी में जुटी हुई है। तैयारियों में वे सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जा रही है, जिससे प्रदेशवासियों को कोरोना की तीसरी लहर से बचाया जा सके। टीकाकरण महाअभियान भी उन्हीं व्यवस्थाओं में से एक है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश को ऑक्सीजन के मामले में आत्म-निर्भर बनाने की जो पहल की गई उसके परिणाम अब सामने आने लगे है। करीब 100 से अधिक ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने का कार्य दो माह पूर्व से ही शुरू हो चुका है। इनमें से कुछ ऑक्सीजन प्लांट ने कार्य करना शुरू भी कर दिया है। शेष प्लांटस का कार्य तीव्र गति से जारी है। उन्होंने कहा कि प्रकृति भी हमें पेड़-पौधों के माध्यम से जीने के लिये पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन देती है। कोरोना काल ने हमें ऑक्सीजन की महत्ता समझाई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मेरा सभी से आग्रह है कि अपने जीवन के हर सुख के अवसर पर एक पौधा अवश्य लगायें, जो वृक्ष बन कर हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन दे।

**डेल्टा वैरिएंट के प्रति सतर्क है सरकार :** मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना वायरस बहरूपिया है, जो रूप बदल-बदल कर मानव जीवन को प्रभावित कर रहा है। विभिन्न देशों सहित अब भारत में कोरोना का डेल्टा वैरिएंट से प्रभावित होने की जानकारियाँ मिल रही हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार डेल्टा वैरिएंट काफी घातक संक्रमण है। इसका मध्यप्रदेश में विस्तार न हो, इसके लिये पुख्ता इंतजाम किये जा रहे हैं।

**प्रदेश की जनता को अपनाना होगा अनुकूल व्यवहार :** मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर पर नियंत्रण के बाद आम नागरिकों की सहूलियत के लिये प्रदेश में अनलॉक की कार्यवाही की गई है। इससे रोजगार और धंधे पुनः शुरू हुए हैं। आज जरूरत इस बात की है कि अनलॉक में लापरवाही बिलकुल भी न बरती जाए। सभी लोग कोरोना नियंत्रण के लिये अनुकूल व्यवहार अपनाते रहे। थोड़ी सी भी लापरवाही कोरोना को पुनः आमंत्रण देने जैसी होगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना से सतर्क रहने और अनुकूल व्यवहार के लिये पूरे प्रदेश में जन-भागीदारी से जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है।

**प्रदेश को बनाएंगे कोरोना मुक्त :** मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना वायरस ने हमारे कई अपनों को छीना है। प्रदेश के मुखिया होने के नाते मेरा यह प्रयास है कि वह दौर अब प्रदेश में न आये। इसलिये प्रदेश को स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में सुदृढ़ करने का अभियान भी चलाया गया है। सभी आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ जनता को साथ लेकर हम मध्यप्रदेश को कोरोना से मुक्त करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना से जंग का जो जुनून प्रदेश की जनता में जागा है, उसे कायम रखते हुए स्वस्थ मध्यप्रदेश बनाएंगे।

# महाअभियान में टीकाकरण की स्थिति

| ब्लाक | कुल लक्ष्य | टीके लगे | 18 से 44 वर्ष | 45 से अधिक | प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|---|
| आलोट | 20000 | 7321 | 5631 | 1689 | 36.81 |
| बाजना | 10000 | 4227 | 3283 | 941 | 42.27 |
| सैलाना | 10000 | 5548 | 4234 | 1313 | 55.48 |
| जावरा | 20000 | 8250 | 6504 | 1744 | 41.25 |
| खिलचीपुर | 10000 | 5602 | 4095 | 1505 | 56.02 |
| रतलाम ग्रामीण | 20000 | 14484 | 10137 | 4292 | 72.17 |
| रतलाम शहर | 60000 | 22834 | 19191 | 3643 | 38.06 |

## महाअभियान के तीन दिन

| तारीख | टीके लगे |
|---|---|
| 21 जून | 38142 |
| 23 जून | 19283 |
| 24 जून | 10791 |

## जिले में अब तक टीकाकरण

| | |
|---|---|
| कुल टीके लगे | 323979 |
| पहला डोज | 282814 |
| दूसरा डोज | 41165 |

**सवाल:** कोरोना महामारी की पहली लहर की तुलना में दूसरी में ढाई गुना ज्यादा बच्चे संक्रमित हुए, आशंकित तीसरी लहर से कैसे नि

# ऑक्सीजन से लेकर दवा उपलब्धता तक बड़ी चु

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. कोरोना की दूसरी लहर के पीक के समय से ही विशेषज्ञ तीसरी लहर आने की आशंका जता रहे हैं। इसमें सबसे अधिक बच्चों के संक्रमित होने का खतरा है। 18 साल से अधिक के लोगों का वैक्सीनेशन भी शुरू है। लॉकडाउन की बंदिशें खत्म हो रही हैं। ऐसे में केंद्र व राज्य सरकारें बच्चों के बचाव और इलाज के लिए कितनी मुस्तैदी से तैयारी कर रही हैं, इसका आकलन जरूरी है। बच्चों के इलाज के लिए विशेष उपकरण, आइसीयू बेड, दवाओं की पर्याप्त व्यवस्था जरूरी है। अगर डेल्टा प्लस वैरिएंट का असर जल्दी आया तो तैयारियां अधूरी ही दिखेंगी।

## इसलिए चिंता

### दूसरी लहर में 10% बच्चे संक्रमित

**कोरोना** की पहली लहर में देश में औसतन चार फीसदी बच्चे तो दूसरी लहर में यह आंकड़ा 10% पर पहुंच गया। फरवरी 2021 में सीरो रिपोर्ट के मुताबिक 25.3% बच्चों में वायरस के एंटीबॉडी मौजूद थे। वहीं छत्तीसगढ़ में कुल संक्रमितों में पहली लहर में 7.8% तो दूसरी में 8.3% बच्चे संक्रमित हुए थे। दूसरी ओर डेल्टा प्लस वैरिएंट को लेकर अभी कुछ स्पष्ट नहीं है, पर यह तय है कि इसकी संक्रामकता पर पहले के वैरिएंट से कहीं ज्यादा है।

## सबसे बड़ी चुनौती...

### पर्याप्त पीडियाट्रिक एनआइसीयू नहीं

**16.5** करोड़ बच्चे देश में 12 साल से कम उम्र के

**82** हजार एनआइसीयू बेड की जरूरत होगी, अगर 20 फीसदी बच्चे संक्रमित होते हैं तो

**5%** गंभीर स्थिति में होते हैं तो 82 हजार से अधिक एनआइसीयू बेड की जरूरत होगी

**02** हजार एनआइसीयू बेड ही उपलब्ध हैं देश में

### ये चुनौतियां भी

- **बिना वैक्सीन** के माता-पिता का बच्चों के साथ रहना जोखिम भरा।
- **अस्पताल** में संक्रमित बच्चे का बिना माता-पिता के रहना मुश्किल। सोशल डिस्टेंसिंग भी कठिन।
- **बच्चों में** ऑक्सीजन मास्क लगाए रखना बड़ी चुनौती होगा।
- **शिशु** के लिए मां को ब्रेस्ट फीड कराना भी बड़ी चुनौती होगी।
- **अभी बच्चों** के लिए वैक्सीन का ट्रायल चल रहा है

## मध्यप्रदेश दवाइयों के इंतजाम में जुटे

### ऑक्सीजन प्लांट

**112 प्लांट** स्वीकृत, 15 अगस्त तक शुरू करने का लक्ष्य।

**12 प्लांट** काम करना शुरू।

**4500 ऑक्सीजन** कंसेंट्रेटर उपलब्ध कराए।

**595 टन** क्षमता के साथ सरकारी अस्पतालों में 323 लिक्विड ऑक्सीजन भंडारण क्षमता।

**कुछ शहरों** में पाइपलाइन के जरिए आपूर्ति की तैयारी, दूसरे के लिए टैंकर की व्यवस्था।

### अस्पतालों में तैयारी

- **सभी जिला,** सिविल अस्पतालों में पीडियाट्रिक वार्ड तैयार किए जा रहे।
- **निजी अस्पतालों** को बच्चों के उपचार के लिए निर्देश।
- **60 हजार** बेड की राज्य में व्यवस्था।

### दवा-उपकरण

- **61 करोड़** स्वीकृत (उपकरणों आदि की आपूर्ति के लिए जारी)
- **दवाइयों** को लेकर आकलन किया जा रहा, जरूरी दवाओं के लिए मांग की जाएगी।
- मेडिकल कॉलेज व जिला अस्पतालों को अलर्ट किया।

**जरूर जानें**

**5 साल** तक के बच्चों को मास्क की जरूरत नहीं।
**6 से 11** साल के बच्चे बड़ों की निगरानी में मास्क पहनें।
**12 साल** से अधिक उम्र के बच्चे मास्क पहनें।

## छत्तीसगढ़ ऑक्सीजन और एनआइसीयू का संकट

**पहली** लहर में राज्य के कुल संक्रमित मरीजों में 7.8%, दूसरी में 8.3% बच्चे संक्रमित हुए। तीसरी लहर के लिए एम्स व अंबेडकर अस्पताल को हायर सेंटर बनाया जा रहा है। 10 जिलों में जच्चा-बच्चा अस्पताल प्रस्तावित हैं।

### कितने ऑक्सीजन प्लांट

**12 अस्पतालों** में ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट।

**बच्चों के लिए आइसीयू:** जहां शिशु रोग विशेषज्ञ, वहां पीडियाट्रिक आइसीयू बनाने के निर्देश जारी।

### ऐसे लड़ेंगे तीसरी लहर से

**2-2** ऑक्सीजनयुक्त बेड सीएचसी में

**4** आइसीयू बेड सिविल अस्पताल में।

**20-20** ऑक्सीजनयुक्त बेड व वेंटिलेटर जिला अस्पताल में।

### टीकाकरण

**1.50 लाख** टीके प्रतिदिन औसतन लग रहे

**65 लाख** लोगों को लगी पहली डोज।

**1.93 करोड़** टीकाकरण का लक्ष्य 18 से अधिक आयुवर्ग के लिए

### दवा व उपकरण

- **बच्चों को** ऑक्सीजन देने वाले सिस्टम, मॉनिटर समेत अन्य उपकरण अलग होते हैं। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन को मांग भेजी जा रही है।
- दवा खरीदी के लिए भी टेंडर जारी किए गए हैं।

## राजस्थान ऑक्सीजन के सहारे बड़ी

**350** सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को कोविड केयर सेंटर बनाने की तैयारी

### ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट

**सामुदायिक** स्वास्थ्य केंद्र, मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पतालों में बनाया जा रहा ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट

**1000 टन** ऑक्सीजन उत्पादन का राज्य सरकार दावा कर रही अगले कुछ माह में

**350** टन उत्पादन क्षमता थी दूसरी लहर में

**दावा:** दूसरी लहर के पीक (रोज 18 हजार संक्रमित) से करीब दोगुने मरीज मिलने तक ऑक्सीजन की कमी नहीं होगी

### नियुक्ति:

बेहतर चिकित्सा सेवाओं के सेंटर बना रहे हैं। घर-घर सर्वे व दवा

**1000 एमबीबीएस** योग्यता धारी कोविड हैल्थ कंसल्टेंट व कोविड हैल्थ सहायक रखे जा रहे

**शहर के** वार्ड में 2, ग्राम पंचायत में 1, पीएचसी में 2 और सीएचसी में 3-3 कोविड हैल्थ सहायक की नियुक्ति।

**टाइम लाइन:** तैयारियों के लिए चिकि कर दी है। राज्य स्ट्रेटेजिक कोविड कमेटी

### ऐसे लड़ेंगे तीस

- **सभी** शिशु रोग अस्पतालों के नीकू, पीकू, एसएनसीयू में जरूरी उपकरण व व्यवस्थाएं।

# आज शुक्रवार को कोविड-19 टीकाकरण नहीं होगा

रतलाम। प्रदेश में शुक्रवार 25 जून 2021 को शासकीय कोविड-19 टीकाकरण नहीं होगा। इस दिन कोविड-19 टीकाकरण-सत्रों के स्थान पर नियमित टीकाकरण (माँ एवं बच्चों के) सत्रों का आयोजन होगा। संचालक (टीकाकरण) राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन डॉ. संतोष शुक्ला ने सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों और जिला टीकाकरण अधिकारियों को इस आशय के निर्देश दिये हैं।

# दुकानों का समय बढ़ाने की मांग

रतलाम। सनातन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष अनिल पुरोहित ने जिला प्रशासन से मांग की है कि शहर में अब कोरोना के मरीज भी कम हो चुके हैं तथा दुकानदारों ने भी वैक्सीन का डोज लगा लिया है।

ऐसी स्थिति में अब दुकानों का समय शाम को 8 बजे से बढ़ाकर 9 बजे तक किया जाए। ताकी व्यापारियों व ग्राहकों को कुछ ज्यादा समय मिल सके।

# प्री-बिड कांफ्रेंस 25 जून को

रतलाम। आपदा प्रबंधन के सुचारू समन्वय एवं प्रबंधन के लिए स्टेट डिजास्टर कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के जिला स्तर से कॉल सेंटर के संचालन के लिए मैन पावर आदि उपलब्ध कराए जाने हेतु ऑनलाइन निविदा https://mptenders.gov.in पोर्टल के माध्यम से आमंत्रित की गई है। इसके संबंध में 25 जून को प्री-बिड कॉन्फ्रेंस लोक सेवा प्रबंधन विभाग कलेक्टर कार्यालय रतलाम में शाम 4:00 बजे ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम से रखी गई है। इच्छुक निविदाकार प्रीबिड कॉन्फ्रेंस में गूगल मैप लिंक https://meet.google.com/nkr-rskd-htd के माध्यम से भाग ले सकते हैं।

# अंतरराष्ट्रीय यात्रा करने वालों के लिए टीकाकरण का विशेष सत्र आयोजित

रतलाम। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के निर्देश पर रतलाम जिले से अंतर्राष्ट्रीय यात्रा करने वाले नागरिकों के टीकाकरण हेतु विशेष सत्र आयोजित किया गया। गुरुवार को आयोजित उक्त सत्र में 150 से अधिक नागरिकों द्वारा टीकाकरण के सर्टिफिकेट प्राप्त किए गए।

कलेक्टर द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारी अरुण कुमार पाठक द्वारा अंतरराष्ट्रीय यात्रा करने वाले नागरिकों को सर्टिफिकेट प्रदान किए जा रहे हैं और वैक्सीनेशन भारत निर्वाचन कार्यालय नवीन कलेक्ट्रेट भवन में कराया जा रहा है। उक्त कार्य में सैयद अली अहमद नकवी, भंवरलाल सिलावट, मुख्तार अली खान की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

# मेडिकल कॉलेज में 18 पेशेंट उपचाररत

रतलाम। शासकीय मेडिकल कॉलेज स्थित हॉस्पिटल में आज की स्थिति में केवल 18 पेशेंट भर्ती हैं, जिनमें से 04 कोरोना पॉजिटिव है तथा शेष अन्य समस्याओं वाले हैं। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि आज मेडिकल कॉलेज से 4 मरीज को डिस्चार्ज किया गया तथा 2 नये मरीज भर्ती हुए। 550 बेड के अस्पताल में आईसीयू के 56 बेड में से 14 पर पेशेंट भर्ती हैं। एचडीयू के 172 बेड पूरी तरह रिक्त हैं। ऑक्सीजन बेड 180 हैं जिनमें से 4 पर पेशेंट भर्ती है। नॉन ऑक्सीजन बेड 142 पूरी तरह रिक्त हैं। हॉस्पिटल में 532 बेड्स रिक्त हैं। रेमडेसिविर की स्थिति के अनुसार टोटल रिसीव 7580, डिस्ट्रीब्यूटेड 1557, कंज्यूम्ड 5967, करंट स्टॉक 56 है।

# अंतरराष्ट्रीय यात्रा करने वालों के लिए विशेष सत्र आयोजित

रतलाम ● जिले से अंतरराष्ट्रीय यात्रा करने वाले नागरिकों के टीकाकरण हेतु विशेष सत्र आयोजित किया गया गुरुवार को आयोजित उक्त सत्र में 150 से अधिक नागरिकों द्वारा टीकाकरण के सर्टिफिकेट प्राप्त किए गए। कलेक्टर द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारी अरुण कुमार पाठक द्वारा अंतरराष्ट्रीय यात्रा करने वाले नागरिकों को सर्टिफिकेट प्रदान किए जा रहे हैं और टीकाकरण भारत निर्वाचन कार्यालय नवीन कलेक्ट्रेट भवन में कराया जा रहा है। उक्त कार्य में सैयद अली अहमद नकवी, भंवरलाल सिलावट, मुख्तार अली खान की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

# आज जिले में टीकाकरण नहीं होगा

रतलाम ● रतलाम जिले सहित प्रदेश में शुक्रवार 25 जून को शासकीय कोविड-19 टीकाकरण नहीं होगा। इस दिन कोविड-19 टीकाकरण-सत्रों के स्थान पर नियमित टीकाकरण (माँ एवं बच्चों के) सत्रों का आयोजन होगा। संचालक (टीकाकरण) राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन डॉ. संतोष शुक्ला ने सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों और जिला टीकाकरण अधिकारियों को इस आशय के निर्देश दिए हैं।

# अंतरराष्ट्रीय यात्रा करने वालों के लिए टीकाकरण का विशेष सत्र आयोजित

रतलाम। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के निर्देश पर रतलाम जिले से अंतरराष्ट्रीय यात्रा करने वाले नागरिकों के टीकाकरण हेतु विशेष सत्र आयोजित किया गया। गुरुवार को आयोजित उक्त सत्र में 150 से अधिक नागरिकों द्वारा टीकाकरण के सर्टिफिकेट प्राप्त किए गए। कलेक्टर द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारी श्री अरुण कुमार पाठक द्वारा अंतरराष्ट्रीय यात्रा करने वाले नागरिकों को सर्टिफिकेट प्रदान किए जा रहे हैं और वैक्सीनेशन भारत निर्वाचन कार्यालय नवीन कलेक्ट्रेट भवन में कराया जा रहा है। उक्त कार्य में सैयद अली अहमद नकवी, भंवरलाल सिलावट, मुख्तार अली खान की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

# आज नहीं होगा टीकाकरण

रतलाम. प्रदेश में शुक्रवार 25 जून को शासकीय कोविड-19 टीकाकरण नहीं होगा। इस दिन कोविड-19 टीकाकरण सत्रों के स्थान पर नियमित टीकाकरण (मां एवं बच्चों के) सत्रों का आयोजन होगा। संचालक (टीकाकरण) राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन डॉ. संतोष शुक्ला ने सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों और जिला टीकाकरण अधिकारियों को इस आशय के निर्देश दिए हैं।

स्वतंत्र ऐलान 25/06/202

# नगर निगम ने बाढ़ नियंत्रण कक्ष व आश्रय स्थल बनाये

रतलाम । अति वृष्टि के दौरान उत्पन्न होने वाली संभावित परिस्थितियों से निपटने एवं आपदा प्रबंधन के लिए निगम स्तर पर की जाने वाली व्यवस्थाओं के संबंध में निगम आयुक्त श्री सोमनाथ झारिया ने निगम मे विभिन्न विभागों के अधिकारियों तथा कर्मचारियों को पाबंद किया है।

निगम आयुक्त श्री झारिया द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत् जीर्ण-शीर्ण भवनों की चिन्हित किया जाकर भवन स्वामी को नोटिस दिये जाने तथा क्षतिग्रस्त पुलियाओं को चिन्हित कर रेडियम लगाने के निर्देश के साथ जल प्लावन रोकने तथा पानी के बहाव में अवरोध उत्पन्न करने वाले नाला एवं नालियों के अतिक्रमण चिन्हित कर हटाये जाने तथा शहर के नाले नालियों एवं वाल के चेम्बरों पर लगे ढक्कन व पर्सी इत्यादि खुली न रहे इसकी व्यवस्था किये जाने की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग एवं कर्मशाला विभाग को सौंपी है।

अति वृष्टि हेतु 8 आश्रय स्थल बनाये जाकर कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है जिसके तहत् गांधीनगर कम्युनिटी हॉल पर श्री विशाल भटनागर मो0नं0 9300885504, ईश्वर नगर विद्यालय भवन पर श्री मुकेश मेहता मो0 नं0 9629647211, रौरानीपुरा जमातखाना पर श्री विजय अग्रवाल मो0 नं0 9907454456, अम्बेडकर मांगलिक भवन, पोलोग्राउण्ड पर राजेश सिंह सेंगर मो0 नं0 7697052031, अलकापुरी कम्युनिटी हॉल पर श्री प्रदीप उपाध्याय मो0 नं0 9589944748, धीरजशाह नगर ट्रॉयल हॉल पर श्री कुलदीप भट्ट मो0 नं0 7471144027, भवने निर्माण कला केन्द्र बिरियाखेड़ी पर श्री महेश व्यास मो0 नं0 9752971374 तथा श्री जैन उ.मा.विद्यालय सागोद रोड पर श्री सुनील कपूर मो0 नं0 9644000433 को नियुक्त किया गया है । आश्रय स्थलों के व्यवस्था की जिम्मेदारी उपयंत्री श्री विकास मरकाम उपयंत्री को सौंपी गई हैं। जो नियुक्त किये गये कर्मचारियों के सहयोग से समुचित व्यवस्था सुनिश्चित् करेंगे।

आपदा प्रबंधन के उपयोग में आने वाली आवश्यक सामग्री एवं संसाधनों का आंकलन कर उसके भण्डारण की जिम्मेदारी भण्डार रक्षक को सौंपी है साथ ही वर्षा ऋतु में शुद्ध जल की उपलब्धता एवं वितरण के लिये आवश्यक रसायनों की व्यवस्था एवं उपलब्धता तथा पानी निकालने के लिये पम्प आदि की व्यवस्था किये जाने की जिम्मेदारी प्रभारी कार्यपालन यंत्री जलप्रदाय को सौंपी हैं। जल की समुचित निकासी एवं व्यवस्थित बहाव के लिए आवश्यक व्यवस्था तथा इस हेतु पृथक से दल गठित करना, वर्षा काल में सड़ी-गली सब्जी-फल आदि के विनिष्टीकरण की कार्रवाही एवं इस हेतु पृथक से दल गठित करना तथा नगर के विभिन्न क्षेत्रो में छोटे एवं बड़े नाले-नालियों की वर्षा पूर्व समुचित सफाई एवं जल एक स्थान पर एकत्रित न हो इसकी व्यवस्था, सार्वजनिक शौचालयों एवं मुत्रालयों की नियमित रूप से साफ-सफाई करवाई जाकर आपदा प्रबंधन के संबंध में आवश्यक संसाधन, कीटनाशक आदि की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी प्र.स्वास्थ्य अधिकारी एवं स्वच्छता निरीक्षकों को सौंपी गई है। इसके अलावा प्रकाश हेतु टार्च, पेट्रोमेक्स, तैराक इत्यादि की व्यवस्था के भी निर्देश संबंधित को दिये है।

निगम आयुक्त श्री झारिया ने आपदा प्रबंधन एवं राहत कार्य के लिये नियंत्रण कक्ष जिसका दूरभाष नम्बर 07412-270563 स्थापित कर उपयंत्रियों एवं सहायक कर्मचारियों की 8-8 घन्टे की शिफ्ट में ड्यूटी लगाई।

इसके अलावा नाले नालियों की सफाई, वर्षा के जल को बड़े नालों में मिलाना, वर्षा का पानी एक स्थान पर एकत्रित होने पर कच्चे नाले-नालियों का निर्माण करना, अतिवृष्टि स्थल पर विद्युत लाईन काटने हेतु दल गठित करना, आपदा की स्थिति में फायर ब्रिग्रेड दल को सुलभ रखना, तैराक की व्यवस्था करने सहित निगम के अन्य वाहनों को कार्यशील अवस्था में रखने के निर्देश संबंधितों को दिये।

(13)

# दोपहर एक बजे ही पूरा हो गया एक हजार का लक्ष्य

## वैक्सीन लगवाने उमड़े लोग : विधायक सभागार में लगा मेगा कैंप, आज नहीं होगा टीकाकरण

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कोरोना वैक्सीनेशन महाअभियान में टीकाकरण के लिए केंद्रों पर भीड़ आ रही है, लेकिन तय लक्ष्य के टोकन बंटने के बाद दोपहर में ही वैक्सीन खत्म हो रही है। गुरुवार को शहर में एक ही स्थान पर वैक्सीनेशन सत्र में बरबड़ रोड स्थित विधायक सभागार पर मेगा कैंप लगाया गया, इसके चलते सुबह आठ बजे से ही टीका लगवाने वालों की लंबी कतार लग गई। इसमें शारीरिक दूरी रखने के नियमों का पालन भी नहीं हो पाया। दोपहर एक बजे तक ही 1000 लोगों का लक्ष्य पूरा हो गया और इसके बाद लोगों को वापस जाना पड़ा।

दूसरा डोज लगवाने के लिए डीआरएम आफिस परिसर में लगाए कैंप पर 300 लोगों को वैक्सीन लगाने के बाद कैंप बंद कर दिया गया। इससे लोग परेशान होते रहे। विधायक सभागार पर खुशी एक पहल तथा रॉबिनहुड सेवा संस्था के सदस्यों के साथ समाजसेवी गोविंद काकानी, पूर्व पार्षद पवन सोमानी, प्रहलाद पटेल, भाजपा मंडल अध्यक्ष मयूर पुरोहित, जयश्री आदि ने व्यवस्था बनाने में सहयोग दिया। टीके

### लक्ष्य का 45 प्रतिशत टीकाकरण

जिले में महाअभियान के तहत 21 से 24 जून तक तीन सत्र में कुल 68216 लोगों को टीका लगाया गया है। इसमें 18 से 44 वर्ष के 53075 व 45 वर्ष से अधिक आयु के 15127 लोग शामिल हैं। 30 जून तक 1.5 लाख टीके लगाने के कुल लक्ष्य का 45.48 प्रतिशत वैक्सीनेशन किया जा चुका है। गुरुवार को तीसरे सत्र में आलोट में टीकाकरण नहीं हुआ जबकि बाजना में 1300 के लक्ष्य पर 1474, सैलाना में 1600 पर 1608, जावरा में 500 पर 507

विधायक सभागार में वैक्सीन के लिए लोगों की लंबी कतार में शारीरिक दूरी नहीं रखने से संक्रमण का खतरा भी बना रहा। ●नईदुनिया

डीआरएम कार्यालय के केंद्र पर भी दूसरा डोज लगवाने वालों की भीड़ लगी रही। ●नईदुनिया

नामली के नवीन बस स्टैंड पर टीका लगवाने पहुंचे नगरवासी। ●नईदुनिया

दै. भास्कर 25/06/2021

# त्रिवेणी क्षेत्र में लग रही अवैध सब्जी मंडी

भास्कर संवाददाता | रतलाम

सैलाना बस स्टैंड स्थित थोक सब्जी मंडी खुल गई है लेकिन त्रिवेणी पुलिस लाइन के पास त्रिवेणी मेला ग्राउंड में रोजाना अवैध थोक सब्जी मंडी चल रही है। किसान उपज बेचने आ रहे हैं मंडी के व्यापारी भी यहां सब्जी की नीलामी कर रहे हैं। यहां सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं हो रहा है। बगैर मास्क के सब्जियों की खरीदी बिक्री हो रही है। ऐसे में संक्रमण का खतरा है।

कोरोना संक्रमण को देखते हुए 2 मई से सैलाना बस स्टैंड स्थित थोक सब्जी मंडी बंद कर दी थी। 15 जून से फिर सैलाना बस स्टैंड स्थित थोक सब्जी मंडी खुल गई है सैलाना बस स्टैंड से रोजाना 7 हजार का राजस्व मंडी प्रशासन को मिलता है। त्रिवेणी मेला क्षेत्र में अवैध सब्जी मंडी लगने से मंडी प्रशासन को नुकसान हो रहा है।

**कार्रवाई की जाएगी :** एसडीएम और भार साधक अधिकारी अभिषेक गेहलोत ने बताया अवैध मंडी शहर में कहीं भी नहीं चलना चाहिए। यदि चल रही है और राजस्व का नुकसान हो रहा है तो बंद करवाई जाएगी।

पत्रिका 25/06/21

महाअभियान में 68015 लोगों का वैक्सीनेशन

# उत्साह : जिले में गुरुवार को सभी विकासखंड में लक्ष्य से अधिक किया वैक्सी

पत्रिका ग्राउंड रिपोर्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. जिले में कोरोना टीकाकरण महाअभियान के अंतर्गत गुरुवार को जिले के सभी विकासखंड क्षेत्रों में निर्धारित लक्ष्य से अधिक टीके लगाए गए। सभी सेंटर पर 100 प्रतिशत से अधिक की लक्ष्य पूर्ति की गई। महाअभियान के तीसरे दिन शहर सहित जिले भर में 10590 लोगों का वैक्सीनेशन हुआ है। इनमें 18 से 44 वर्ष के 7462 और 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 3126 लोग शामिल हैं। महाअभियान के तहत जिले में 21 से 24 जून तक तीन टीकाकरण दिवस में 68015 लोगों का वैक्सीनेशन किया गया। शहर में बरबड़ स्थित विधायक सभागृह में आयोजित मेगा कैंप में 1600 से अधिक लोगों का टीकाकरण किया गया। यहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ लगी नजर आई। दोपहर तक ही यहां टीकाकरण का काम पूरा हो चुका था।

सैलाना भी रहा 100 फीसदी

सैलाना में गुरुवार को 1600 व्यक्तियों को टीके लगाने का लक्ष्य था, इसके विरुद्ध 1608 व्यक्तियों को टीके लगाकर 100 प्रतिशत से अधिक सफलता हासिल की गई। वहीं क्षेत्र में गुरुवार को 517 टीके लगाए गए, इनमें 18 से 44 वर्ष के 376 तथा 45 वर्ष से अधिक आयु के 141 व्यक्तियों को टीके लगाए गए। जावरा विकासखंड में गुरुवार को 500 व्यक्तियों को टीके लगाने के लक्ष्य के विरुद्ध 517 को टीके लगाए गए। पिपलोदा विकासखंड क्षेत्र में 1095 लोगों को टीके लगाए। इनमें 18 से 44 वर्ष के 778 तथा 45 वर्ष से अधिक आयु के 316 लोग शामिल हैं। यहां 1000 लक्ष्य के विरुद्ध 1095 लोगों को टीक लगाकर 109.50 प्रतिशत सफलता हासिल की।

रतलाम ग्रामीण क्षेत्र में गुरुवार को 4239 व्यक्तियों को टीके लगाए गए। 18 से 44 वर्ष के 2955 तथा 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 1284 व्यक्ति शामिल हैं। क्षेत्र में 4010 व्यक्तियों के विरुद्ध 4239 व्यक्तियों को टीके लगाकर 105 प्रतिशत से अधिक सफलता हासिल की गई। रतलाम शहर में गुरुवार को 1657 लोगों को टीके लगाए गए। 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के 1098 तथा 45 वर्ष से अधिक आयु के 559 व्यक्ति शामिल हैं। रतलाम शहर क्षेत्र में 1640 लोगों को टीके लगाने का लक्ष्य था, इसके विरुद्ध 1657 लोगों को टीके लगाकर 101 प्रतिशत से अधिक सफलता हासिल की गई।

## टीकाकरण में शहर अव्वल

जिले में कोरोना वैक्सीनेशन महाअभियान के तहत 21 से 24 जून तक तीन टीकाकरण दिवसों में कुल 68015 लोगों को टीके लगाए जा चुके हैं। इनमें 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग के 52934 तथा 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 1569 लोग शामिल हैं। इस दौरान आलोट विकासखंड में 7321, बाजना विकासखंड में 4227, सैलाना विकासखंड में 5548, जावरा विकासखंड में तथा 8250, पिपलोदा विकासखंड में व्यक्ति 5602, ग्रामीण क्षेत्र में 14233 लगाए

## कोविशील्ड के 2 लाख 87 ह

रतलाम जिले में अब तक कोवीशील्ड और क कुल 3 लाख 23 हजार 807 टीके लगाए गए संख्या 2 लाख 87 हजार है जबकि 36 हजा लगाए गए हैं। कोवीशिल्ड के 2 लाख 55 हज 31 हजार 559 सेकंड डोज लगाए गए हैं जब हजार 222 प्रथम डोज एवं 9 हजार 584 से

दैनिक भास्कर 25/06/2021

# पाइप लाइन फूटी, गोशाला टंकी से नहीं बंटा पानी

## पोलोग्राउंड टंकी क्षेत्र के लोगों को 12 घंटे तक करना पड़ा पेयजल का इंतजार

भास्कर संवाददाता | रतलाम

बुधवार रात ढाई बजे राजपुरा से गुजर रही धोलावड़ डेम से शहर तक आ रही पुरानी पाइप लाइन का एक पाइप फुट गया। मुख्य शहर की गोशाला टंकी से जुड़े क्षेत्र के रहवासी पानी को तरस गए।

पोलोग्राउंड टंकी की सप्लाई वाले एरिया में सुबह 6 की बजाए 12 घंटे देरी से शाम 6 बजे से पानी बंटना शुरू हुआ। दरअसल निगम अफसरों को आशंका है कि किसी के द्वारा पानी के लिए लीकेज करते समय पाइप को नुकसान पहुंचा है।

### 20 फीट का पाइप बदलना पड़ा इसलिए लगा समय

पुरानी पाइप लाइन कास्ट आइरन की है, प्रेशर बढ़ने पर पाइप फट जाता है, जिसे ठीक नहीं किया जा सकता। इसलिए 20 फीट का पूरा पाइप बदलना पड़ता है। रात को पाइप फूटने के बाद जलप्रदाय विभाग ने पुराने इंटकवैल के दोनों पंप बंद करवाए थे। सुबह 7 बजे फूटे पाइप को बदलने का काम शुरू हुआ, जो गुरुवार शाम 4 बजे खत्म हुआ। सूचना मिलने पर उपयंत्री भैयालाल चौधरी, सुभाष पंडित मौके पर पहुंच गए थे।

लाइन में नया पाइप जोड़ना पड़ा।

### आज यहां जल प्रदाय होगा

धानमंडी, लौहार रोड, शहर सराय, हाट रोड, तोपखाना, लककड़पीठा का कुछ भाग, गोशाला रोड, वेदव्यास कॉलोनी और आसपास के इलाके।

**अलकापुरी में समय पर घते नल :** चौथे दिन अलकापुरी के रहवासियों को समय पर पानी मिला। बुधवार के विरोध का असर हुआ कि सुबह समय पर नल आ गए और पानी भी पर्याप्त दिया। भाजपा मंडल अध्यक्ष मयूर पुरोहित वार्ड में रहवासियों से नल के बारे में पूछते रहे।

# निर्माण कार्य के दौरान पाइप लाइन फूटी, बह रहा पानी

रतलाम। घोड़ा चौराहा से लेकर कान्वेंट स्कूल तक बन रहे सिटी फोरलेन के निर्माण कार्य के दौरान लोकेंद्र भवन रोड की पानी की पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। इससे हजारों लीटर पानी सड़क पर व्यर्थ बह गया। क्षतिग्रस्त पाइप लाइन के कारण बैंक कालोनी क्षेत्र के नलों में पिछले पांच दिनों से पानी नहीं आ रहा है। पेयजल की किल्लत हो गई है।

निगम के जिम्मेदार अधिकारियों का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। इस संबंध में क्षेत्र के नागरिकों ने निगम अधिकारियों को अवगत भी करा दिया था। इसके बाद भी अब तक कोई सुधार नहीं हुआ है। सामाजिक कार्यकर्ता मांगीलाल जैन के साथ ही बैंक कालोनी निवासी अमित खिमेसरा, बसंत अग्रवाल, अनुराग जैन, हार्दिक शाह ने कलेक्टर व नगर निगम प्रशासक कुमार पुरुषोत्तम तथा निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया तत्काल क्षतिग्रस्त पाइप लाइन की मरम्मत करवाने की मांग की है।

लोकेंद्र भवन मार्ग पर क्षतिग्रस्त पाइप लाइन से बहता पानी। ● नईदुनिया